प्रवेशिका पूर्ण
कथ्थक नृत्य

पूर्णांक : 125 न्यूनतम : 44
शास्त्र : 50 न्यूनतम : 18
क्रियात्मक : 75 न्यूनतम : 26

शास्त्र :-

१. कथ्थक नृत्य का संक्षिप्त इतिहास (10 से 15 वाक्यों में)
२. आमद, तोड़ा टुकड़ा, तत्कार, परन, चारदार, कवित, तिहाई, अंग प्रत्यंग, उपांग, गतभाव, हस्त मुद्रा आदि की परिभाषा उदाहरण सहित ।
३. अ) लोकनृत्यकी परिभाषा तथा पाँच प्रादेशिक लोकनृत्यों के नाम जानना ।
ब) सात शास्त्रीय नृत्यशैलियों के नाम उनके प्रांत सहित ।
४. असंयुक्त हस्तमुद्राएँ :- प्रयोग :- (अभिनय दर्पण से)

11)	कपित्थ	12)	कटकामुख
13)	सूचि	14)	चंद्रकला
15)	पद्मकोष	16)	सर्पशीर्ष
17)	मृगशीर्ष	18)	सिंहमुख
19)	कांगुल	20)	अलपद्म
21)	चतुर	22)	भ्रमर
23)	हंसास्य	24)	हंसपक्ष
25)	संदेश	26)	मुकुल
27)	ताम्रचूड	28)	त्रिशूल

५. किसी प्रसिध्द कथ्थक कलाकार की जीवनी । (10 वाक्यों में)
६. वर्तमान पाँच तबला वादकों के नाम, जो कथ्थक नृत्यकी संगत करते हों ।
७. क) **लिपिबध्द** : तीन ताल में एक तिहाई, एक साधारण आमद (ताथईततथई) एक परन जुड़ी आमद, एक तोडा, एक परन, एक कवित्त ।
ख) झपताल में ठेके की ठाह (बराबर), दुगुन, एक तिहाई, एक तोडा, एक सादा आमद, एक परन ।
ग) दादरा तथा कहरवा ताल के ठेके को ताल चिन्ह सहित लिखना ।

क्रियात्मक :

- **तीनताल :**

2	ठाठ	1	परन जुड़ी आमद
1	रंगमंच प्रणाम	4	तोडे (कमसे कम 3 आवृत्ति)

2 परन 2 चक्करदार परन
1 कवित्त 1 चक्करदार तिहाई ।

त्रिताल में आधी, बराबर, दुगुन, चौगुन अठगुन तिहाई सहित
त्रिताल में बाँट तिहाई सहित
गतनिकास - मोरमुकुट, घँगट, बाँसुरी
गतभाव - राधा का पानी भरने जाना, कृष्ण का कंकर से मटकी फोड़ना, राधा का रुष्ट होना, कृष्ण का हंसना आदि.
गतभावमें दिखाई गयी हस्तमुद्राओं के नाम

- **झपताल:**

1 ठाठ 1 आमद
1 तिहाई 1 तोडे
1 चक्करदार तोडा 1 परन
तत्कार बराबर दुगन तिहाई सहित ।
सभी बोलोंको हाथ से ताली देकर पढ़ना आवश्यक है।

प्रवे. पूर्ण कुल मौखिक - 75, समय : 20 मिनट प्रतिछात्र

ठाठ	तोड़े	कवित्त	ततकार	गतनिकास	गलभाव
5	10	5	5	10	10

पढन्त	झपताल मे नृत्त	प्रदर्शन	मुद्रा
10	10	5	5

कुल अंक 75